na (JRY) w.e.f. the current financial year. The Scheme is being continued as a component of the JRY during the current financial year. Since the Scheme has been basically a part of the employment generation programmes, wage component of the Programme has to be more than the material component. This requirement of the programme cannot be satisfied by digging surface borewells. The programme is accordingly confined to open wells only.

As per the guidelines under the Scheme, it is to be taken up only in those areas where open wells are the cost effective mode in comparison to irrigation through tube-wells or surface borewells.

Number of A.C. Chair Car Coaches in Metre Gauge and Broad Gauge lines

2245. SHRI T. R. BALU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of A. C Chair Car Coaches which are in service in Metre Gauge and Broad Gauge respectively in Tamil Nadu; and

(b) what is the amount allotted for manufacturing A.C. Chair Car coaches in each sector in Tamil Nadu?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) Statewise allotment of coaches is not done. Southern Railway has 3 M.G. and 10 B.G. A.C. Chair Cars in service in addition to 5 BG. A.C. First cum Chair Car coaches.

(b) The amount is not allotted Statewise for manufacturing of A.C. Chair Car coaches.

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में भर्ती के लिए बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री धारकों को प्राथमिकता

2246. श्री ईश दत्त यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की कृषि अर्थव्यवस्था में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसकी नीतियों के फलस्वरूप 26 कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हुए हैं; लेकिन इस संस्थान में स्नातक स्तर पर भर्ती करते समय बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री धारियों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) इस संस्थान में बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री वाले वैज्ञानिकों की संख्या कितनी है और उनका क्या योगदान रहा है ; और

(ग) ऐसे गैर- कृषि स्नातकों का प्रतिशत कितना है जिन्हें एम.एस.सी. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है और क्या लिखित परीक्षा में कृषि को कोई प्राथमिकता दी जा रही है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्री और अन्न कृषि (श्री बूटा सिंह) : (क) महोदय, देश की कृषि अर्थव्यवस्था में भा.कृ.अ. संस्थान (आई.ए.आर.आई) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और मोटे तौर पर भा.कृ.अ. संस्थान द्वारा अपनाई गई अंतर पीठ पद्धति के आधार पर 26 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है ।

यह सही नहीं है कि बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री लेने वालों को स्नातक कार्यक्रमों में दाखिला देते समय वरीयता नहीं दी जाती । भा.कृ.अ. संस्थान के एम.एस.सी. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों में प्रतिवर्ष जिन छात्रों को दाखिला दिया जाता है उनमें से करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री वाले होते हैं ।

(ख) यहां 222 वैज्ञानिक बी.एस.सी. (कृषि) डिग्री वाले हैं । इन सभी वैज्ञानिकों ने संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

(ग) एम.एस.सी. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों में वर्ष 1989–90 के शैक्षिक सत्र के दौरान दाखिल किये गए